Shri S. M. Banerjee: He is reading from what? A file or that report?

श्री कंवरलाल गुप्त : जैसा कि अभी आपने बताया कि एन० सी० डी० सी० की स्थिति बहुत खराब है और बुरी हालत में है, इसके कारण यह बताये गये कि बहुत सी मशीनरी अन-यूटीलाइज्ड है, ज्यादा मशीनें खरीद ली हैं, प्रोडक्शन कम हुआ है, खर्चा ज्यादा है । मैं मिनिस्टर महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि आपने कितने की मशीनें खरीदी हैं और कितनी का उसमें से यूटीलाइजेशन हुआ है, यानी यूटीलाइजेशन का परसेंटेज क्या है ? क्या यह बात सही है कि सेंट्रल गवर्नमेंट ने अनरीयलिस्टिक टारगेट एन० सी० डी० सी० को दिया, जैसे सेकेण्ड प्लान में 60 मिलियन टन दिया, थर्ड प्लान में 97 मिलियन टन और फोर्थ प्लान में 107 मिलियन टन दिया ? क्या मशीनरी के अन-यूटीलाइज्ड रहने का भी यही कारण है ? अगर यह सब कुछ ठीक है तो क्या मंत्री महोदय एक हाई-पावर्ड कमेटी बना कर इसकी जांच करायेंगे कि यह जो गड़बड़ी है, वह क्यों है तथा इस के लिये जो जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्यवाही करेंगे ?

डा० चन्ना रेड्डी : आनरेबिल मेम्बर ने दो प्वाइंट्स उठाये हैं—एक—इसमें कितनी मशीनरी ज्यादा खरीदी गई है, जिसको हम यूटीलाइज नहीं कर सके । मैंने पहले ही निवेदन किया था कि इसकी तफसीलात इकट्ठी करके .....

श्री कंवरलाल गुप्त : 10 साल से एन० सी० डी० सी० चल रही है ।

श्री जार्ज फरनेंडीज : इस पर बहस रखिये, अध्यक्ष महोदय ।

Some hon. Members rose—

Mr. Speaker: Shri Hem Barua. Calling attention notice.

Shri Kanwar Lal Gupta: You have saved him unnecessarily.

Mr. Speaker: We have taken 46 minutes on this.

Shri Kanwar Lal Gupta: If it is an inconvenient question, you should not save him. We seek the protection of the Chair. You should save us, not him. If bungling is going on in NCDC, let him reply, even if it is inconvenient.

Shri A. B. Vajpayee: There is nothing inconvenient.

Dr. Chenna Reddy: There is no inconvenience. As regards the position about purchase and utilisation of machinery I have already stated that I would like to collect date and then I will pass it on.

With regard to the target, the figures that he has quoted are entirely wrong. They are not the target figures of the NCDC but the figure of entire coal production in the country. Because of recession and various other factors in the economy, the target of 96 million tonnes has come down to 64 million tonnes. In NCDC also, the target has come down from 30 million tonnes to 9.68 million tonnes.

Shri Kanwar Lal Gupta: What about the inquiry?

Mr. Speaker: No please.

Shri S. K. Tapuriah: Will you allow a one hour discussion on this?

Mr. Speaker: That is a different matter. Let him write to me.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Chromite Mines in Orissa

*696. **Shri H. P. Chatterjee:**
Shri S. C. Samanta:
Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) the number of Chromite mine being exploited by the Orissa Mining

Corporation and by private parties separately;

(b) whether the Government of Japan or private Japanese trading firms have executed any contract with Orissa Mining Corporation for the supply of Chromite;

(c) if so, the details thereof; and

(d) whether this will be exported through the Paradeep port in Eastern India and whether its quality has been approved?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) According to information received, the Orissa Mining Corporation is working one mine and private parties are working four mines.

(b) The Orissa Mining Corporation is conducting negotiations with Japanese trading firms for export of chrome fines. But no agreement or contract has been so far concluded.

(c) Does not arise.

(d) The ore will be exported through Paradeep Port and will have to conform to the specifications laid down in the export instructions issued by Chief Controller of Imports and Exports.

उत्तर बिहार में उद्योग

*697. **श्री विभूति मिश्र :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर बिहार देश के अन्य भागों की तुलना में औद्योगिक दृष्टि से बहुत अधिक पिछड़ा हुआ है ;

(ख) क्या सरकार का विचार उत्तर बिहार में बड़े तथा छोटे उद्योग स्थापित करने के लिये एक योजना तैयार करने का है ; और

(ग) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग). देश के औद्योगिक विकास की योजना बनाते समय सरकार किसी एक राज्य के समूचे क्षेत्र को एक ही एकक के रूप में समझती है । बिहार राज्य में कई औद्योगिक एकक स्थापित किये जा चुके हैं । एक राज्य में किसी विशेष औद्योगिक एकक की स्थापना मुख्यत: आर्थिक बातों पर आधारित होती है । फिर भी, जहां तक उत्तर बिहार का सम्बन्ध है सरकार ने इस क्षेत्र में बड़े और छोटे दोनों ही प्रकार के उद्योगों की स्थापना के लिये कदम उठाये हैं । चौथी पंचवर्षीय योजना में वहां स्थापित की जाने वाली प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं में निम्न-लिखित परियोजनायें शामिल हैं :—

(1) अखबारी कागज/लुग्दी बनाने का कारखाना ।

(2) बरौनी में उर्वरक बनाने का कारखाना ।

(3) बरौनी तेलशोधक कारखाने का विस्तार ।

इस क्षेत्र में फल परिरक्षण एककों की स्थापना के कई प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन हैं ।

***Scheme for Group Purchase of Jute**

***698. Shri P. Ramamurti:**
Shri A. K. Gopalan:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether the Indian Jute Mills Association has introduced a scheme for group purchase of jute;

(b) if so, the main features thereof; and

(c) whether the Jute Commission has accepted the scheme?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.